GOVERNMENT COLLEGE OF EDUCATION
SECTOR 20-D, CHANDIGARH

NAAC ACCREDITED GRADE 'A'

3rd Cycle

Assessment and Accreditation by NAAC

CRITERION-II

TEACHING LEARNING AND EVALUATION

CRITERION 2

KEY INDICATOR- KEY INDICATOR- 2.6 Evaluation Process

2.6.2 – Mechanism of Internal evaluation is transparent and robust and time bound

INDEX

Sr. No	Content	Page No.
1	Document showing provision for bi-lingual answering	1-57

NOTE: The College give provision to the students to attempt the paper in English/ Hindi/ Punjabi medium

(i) Printed Pages : 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 9 Sub. Code : 8041

Exam. Code : 1102

B.Ed. (Gen) 2nd Semester

(2053)

SOCIOLOGICAL BASIS OF EDUCATION (In all Mediums)

(Same for USOL Candidates of 2nd Sem.)

Paper : F–2.1

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 40**

Note :— Attempt **five** questions in all, selecting **one** question each from Unit I-IV. Question No. **IX** in Unit-V is compulsory.

UNIT–I

I. Define Education and explain relationship between education and sociology. 8

II. Discuss the role of family and school in socialization. 8

UNIT–II

III. Specify the function of society as a significant determinant of aims of education. 8

IV. Highlight relationship between national development and education and enlist main indicators of national development. 8

UNIT–III

V. Enumerate the concept of culture and discuss interactions of culture with education. 8

VI. Elaborate the responsibility of education in the process of cultural and social change. 8

UNIT–IV

VII. Elucidate the significance of education in promoting international understanding and peace. 8

VIII. Describe ways and means of imparting education for democracy. 8

UNIT–V

IX. Write short notes on the following :

(a) Social mobility and education

(b) Indian society and education

(c) Factors responsible for social change

(d) Education for emotional integration 2×4=8

(हिन्दी माध्यम)

नोट :— कुल पाँच प्रश्न करें, प्रत्येक यूनिट I से IV में से एक प्रश्न करें। यूनिट-V में प्रश्न नं. **IX** अनिवार्य है।

यूनिट–I

I. शिक्षा को परिभाषित करें और समाजशास्त्र और शिक्षा के बीच के संबंध की व्याख्या करें। 8

II. समाजीकरण में परिवार और विद्यालय की भूमिका की चर्चा कीजिये। 8

यूनिट–II

III. शिक्षा के उद्देश्यों के एक महत्वपूर्ण निर्धारक के रूप में समाज के कार्य को निर्दिष्ट करें। 8

IV. राष्ट्रीय विकास और शिक्षा के बीच के संबंध पर प्रकाश डालिए। राष्ट्रीय विकास के मुख्य संकेतकों को सूचीबद्ध करें। 8

यूनिट–III

V. संस्कृति की अवधारणा की गणना करें और शिक्षा के साथ संस्कृति की अंतरक्रिया की चर्चा करें। 8

VI. सांस्कृतिक और सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में शिक्षा के उत्तरदायित्व की व्याख्या कीजिए। 8

यूनिट–IV

VII. अंतर्राष्ट्रीय समझ और शांति को बढ़ावा देने में शिक्षा के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 8

VIII. लोकतंत्र के लिए शिक्षा प्रदान करने के तरीकों और साधनों का वर्णन करें। 8

यूनिट–V

IX. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिये :

(a) सामाजिक गतिशीलता और शिक्षा

(b) भारतीय समाज और शिक्षा

(c) सामाजिक परिवर्तन के लिए जिम्मेदार कारक

(d) भावनात्मक एकीकरण के लिए शिक्षा। 2×4=8

(ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ)

ਨੋਟ :– ਕੁੱਲ **ਪੰਜ** ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕਰੋ, ਯੂਨਿਟ I-IV ਹਰੇਕ ਵਿੱਚੋਂ **ਇੱਕ-ਇੱਕ** ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕਰੋ। ਯੂਨਿਟ-V ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰ. **IX** ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ।

ਯੂਨਿਟ–I

I. ਸਿੱਖਿਆ ਨੂੰ ਪਰਿਭਾਸ਼ਿਤ ਕਰੋ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਸ਼ਾਸਤਰ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਸੰਬੰਧਾਂ ਦੀ ਵਿਆਖਿਆ ਕਰੋ। 8

II. ਸਮਾਜੀਕਰਨ ਵਿੱਚ ਪਰਿਵਾਰ ਅਤੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਬਾਰੇ ਚਰਚਾ ਕਰੋ। 8

ਯੂਨਿਟ–II

III. ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਦੇ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਨਿਰਧਾਰਕ ਵਜੋਂ ਸਮਾਜ ਦੇ ਕਾਰਜ ਨੂੰ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕਰੋ। 8

IV. ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਚਕਾਰ ਸੰਬੰਧਾਂ ਨੂੰ ਉਜਾਗਰ ਕਰੋ। ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਮੁੱਖ ਸੂਚਕਾਂ ਨੂੰ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕਰੋ। 8

ਯੂਨਿਟ–III

V. ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਸੰਕਲਪ ਦੀ ਗਣਨਾ ਕਰੋ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਨਾਲ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਪਰਸਪਰ ਪ੍ਰਭਾਵ ਬਾਰੇ ਚਰਚਾ ਕਰੋ। 8

VI. ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਪਰਿਵਰਤਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਨੂੰ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਕਰੋ। 8

ਯੂਨਿਟ–IV

VII. ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਮਝ ਅਤੇ ਸ਼ਾਂਤੀ ਨੂੰ ਉਤਸਾਹਿਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਨੂੰ ਸਪੱਸ਼ਟ ਕਰੋ। 8

VIII. ਲੋਕਤੰਤਰ ਲਈ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਦੇ ਤਰੀਕਿਆਂ ਅਤੇ ਸਾਧਨਾਂ ਦਾ ਵਰਨਣ ਕਰੋ। 8

ਯੂਨਿਟ–V

IX. ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਉੱਤੇ ਸੰਖੇਪ ਨੋਟ ਲਿਖੋ :

(a) ਸਮਾਜਿਕ ਗਤੀਸ਼ੀਲਤਾ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ

(b) ਭਾਰਤੀ ਸਮਾਜ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ

(c) ਸਮਾਜਿਕ ਤਬਦੀਲੀ ਲਈ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਕਾਰਕ

(d) ਭਾਵਨਾਤਮਕ ਏਕੀਕਰਣ ਲਈ ਸਿੱਖਿਆ। 2×4=8

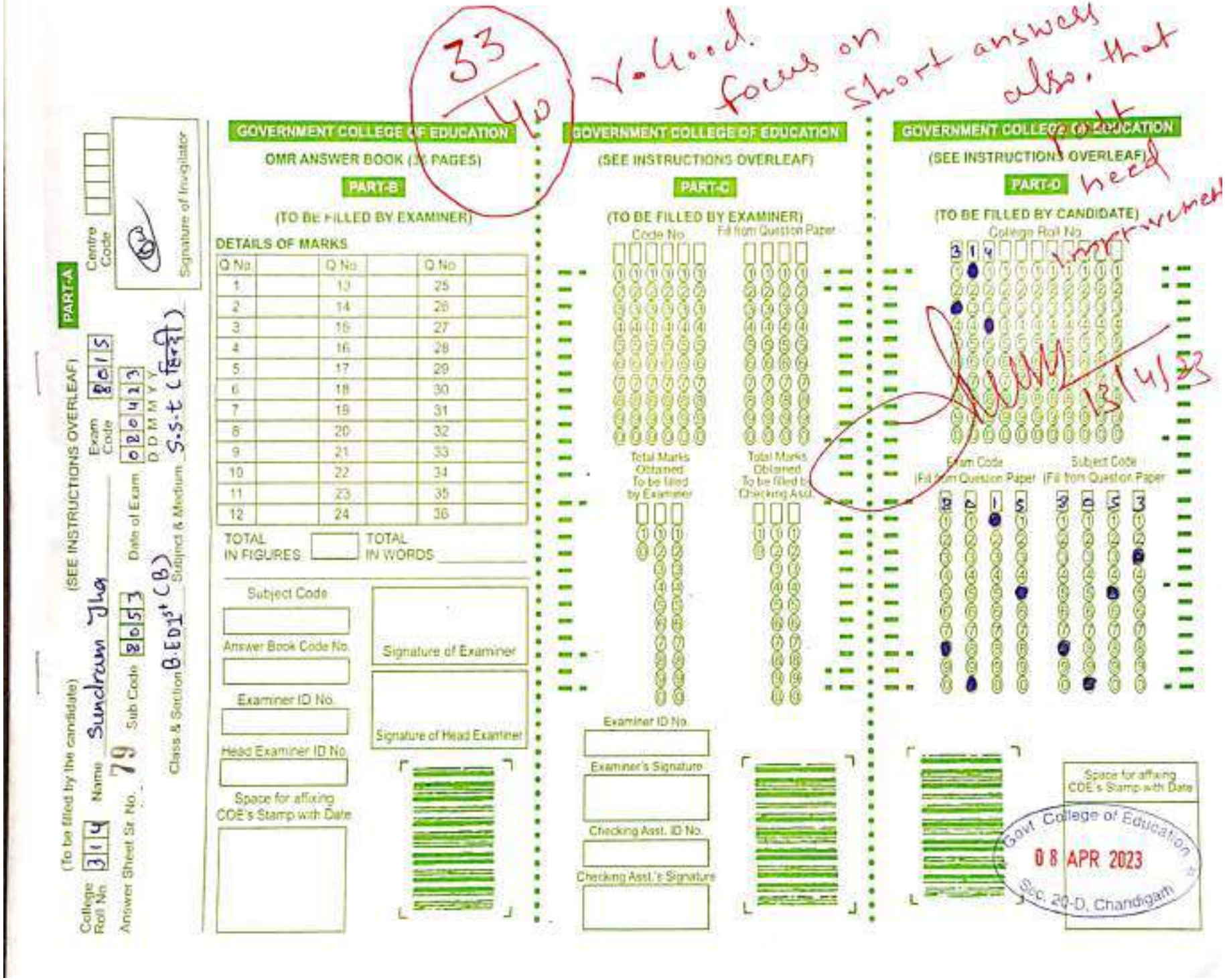

Scanned with OKEN Scanner

(1) Unit - 1

(1) उ० पाठ योजना दो शब्दो के मेल से बना है। पाठ जिसका अर्थ है उप विषय और योजना जिसका अर्थ है। किसी कार्य की को करने से पहले ही उसकी रूपरेखा सोच लेना या तैयार कर लेना सरल शब्दो मे पाठ योजना से अभिप्राय है शिक्षको के द्वारा कक्षा मे पढाया जाने वाले पाठ का पहले से ही नियोजन कर लेना की यह उस पाठ को जिसक उसने चयन किया है उसके लिए किस प्रकार के शिक्षण मॉडल का उपयोग होना उससे संबंधित पाठ के लिए किस - किस प्रकार के विषय - समाग्री का प्रयोग करना है तथा संबंधित पाठ पढाने के लिए उन्हे कैसे - कैसे शिक्षण कौशल का उपयोग करना है आज के समय मे सबसे अधिक प्रयोग की जानी वाली Approach हरबर्ट शियन Approach है जिसका सभी पाठ योजना मे प्रयोग किया जाता है

Scanned with OKEN Scanner

I

पाठ योजना की आवश्यकता :-

① शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए :- पाठ योजना की आवश्यकता इसलिए भी है कि इससे शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति होती है क्योंकि शिक्षक कक्षा में क्या? और कैसे? पढ़ाएगा इसे वह पहले ही लिख लेता है

② पाठ को सही ढंग से पढ़ाने के लिए :- पाठ योजना की आवश्यकता इसलिए भी होती है क्योंकि इससे शिक्षक एक पाठ को सही ढंग से क्रमवार रूप से पढ़ा पाता है

③ विद्यार्थियों में पाठ के प्रति रुचि लाने में :- पाठ योजना से शिक्षक को विद्यार्थियों में पाठ के प्रति रुचि लाने में सहायता मिलती है

④ समय की बर्बादी से बचाता है :- पाठ योजना की आवश्यकता इसलिए भी है कि यह समय की बर्बादी होने से बचाता है क्योंकि पाठ को पढ़ाने का समुचित नियोजन पहले से ही शिक्षक कर लेता है

⑤ पाठ्यक्रम को पूरा कराने में सहायता :- पाठ योजना शिक्षकों को पाठ्यक्रम पूरा कराने में सहायता करता है शिक्षक पाठ योजना बना लेने से वह हर पाठ को समय अनुसार पूरा कर पाता है

⑥ विद्यार्थियों को सीखने में सहायता :- पाठ योजना विद्यार्थियों को विषय विषय को सीखने में भी सहायता करता है शिक्षक विद्यार्थी को आसानी से समझा सकने वाले उदाहरणों को पहले ही लिख कर रखता है जो विद्यार्थियों के लिए सहायक होती है

Scanned with OKEN Scanner

(7) **कक्षा का वातावरण अनुशासित बनाता है :-** पाठ योजना कक्षा को वातावरण अनुशासित बनाने में भी सहायता करता है जो शिक्षक शिक्षा में सहायता करता है

(8) **अध्यापक को रिकॉर्ड रखने में सहायता :-** पाठ योजना अध्यापक को रिकॉर्ड रखने में सहायता करता है अध्यापक के पास हर पढ़ाए जाने वाले पाठ का रिकॉर्ड रहता है।

(9) **पाठ-योजना विषय-सामग्री के चयन में सहायता :-** पाठ योजना शिक्षकों को विषय सामग्री के चयन में सहायता करता है क्यों किस विषय को पढ़ाया जाना है तथा इसे आसानी से बच्चों तक किस सामग्री के माध्यम से समझाया जा सकता है इसका निर्धारण शिक्षक पहले ही कर लेते हैं

(10) **शिक्षकों को दिशा-निर्देशन देना है :-** पाठ योजना शिक्षकों को दिशा-निर्देशन देने में भी सहायता करता है तथा हर क्रम को कैसे प्रयोग करना है इसका निर्देशन भी देता है

पाठ योजना का महत्व

(1) **विद्यार्थियों की शिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति :-** पाठ योजना विद्यार्थियों की सीखने में आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति करता है

(2) **अच्छी पाठ योजना शिक्षकों की शिक्षण शैली में सुधार लाती है :-** अच्छी पाठ योजना शिक्षकों के शिक्षण शैली में सुधार लाती है क्योंकि पाठ को पढ़ाने के सभी क्रम अध्यापक पहले ही लिख लेता है और पढ़ाने के दौरान उसको अनुसरण करता है

Scanned with OKEN Scanner

(3) यह कम खर्चीली होती है और समय बचाती - पाठ योजना कम खर्चीली होती है तथा यह शिक्षकों को समय की बचत करने में बचाती है

(4) यह शिक्षकों को शिक्षण काल - केंद्रित करने में मदद करती है

पाठ योजना शिक्षकों को अपने शिक्षण को काल केंद्रित करने में भी सहायता करती है शिक्षक अपनी सम्पूर्ण क्रियाविधि जो कक्षा में करना होता है इसका निर्धारण वह पहले ही कर लेता है

(5) यह शिक्षकों को पाठ पढ़ाए जाने समय पाठ से अनावश्यक विषय जोड़ने से बचाती है

इसका महत्व यह भी होता है कि महत्वपूर्ण यह शिक्षकों को पाठ पढ़ाए जाने वक्त अनावश्यक विषय जोड़ने से बचाता है शिक्षक को अपना शिक्षण विषय के अंतर्गत रखने में सहायता करता है

(6) यह कक्षा का वातावरण अनुशासित तथा पढ़ाने योग्य रुचिकर बनाता है - इसका एक और महत्व यह भी है कि यह कक्षा का वातावरण पढ़ाने योग्य रुचिकर बनाने में सहायक है जो शिक्षक को शिक्षण में सहायता करता है

(7) यह विद्यार्थियों को स्वः अध्ययन में सहायता करता है

इसका महत्वपूर्ण महत्व यह भी है कि यह विद्यार्थियों को स्वः अध्ययन की प्रवृत्ति लाने में सहायता करता है जिससे उनमें ज्ञान की प्राप्ति होती है

Scanned with OKEN Scanner

(8) यह शिक्षकों को विषय समझाने में सहायक है

यह शिक्षकों को विषय को शिक्षार्थियों के समक्ष समझाने में सहायता करता है

निष्कर्ष :- उपरोक्त को पढ़कर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि पाठ - योजना शिक्षकों को पाठ को बच्चों के समक्ष बेहतर ढंग से पढ़ाने में सहायता करता है तथा शिक्षार्थी को विषय में रुचि उत्पन्न करने में पाठ योजना सहायक है यह शिक्षकों को समय की बर्बादी होने से बचाता है

(3) Unit II

उत्तर सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक से अभिप्राय है जिसकी सहायता से सामाजिक अध्यापक को सामाजिक अध्ययन के विषय को बच्चों के समक्ष पढ़ा जाता है जो सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों को शिक्षण में सहायता देता है सामाजिक अध्ययन के पाठ्यपुस्तक में सामाजिक अध्ययन का पूरा पाठ्यक्रम होता है कि जो हर कक्षा के विद्यार्थियों के लिए उनके स्तर अनुकूल अलग अलग होता है सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक को शिक्षा बोर्ड के द्वारा सरकार के दिशा - निर्देश के अनुसार विद्वानों के द्वारा तैयार किया जाता है

पाठ्यपुस्तक दो प्रकार की होती है

(I) मुद्रित संस्करण में पाठ्यपुस्तक

(II) इलेक्ट्रोनिक मिडिया ससाधनों द्वारा प्राप्त पाठ्य पुस्तक का पी. डी. एफ

Scanned with OKEN Scanner

मुद्रित पाठ्यपुस्तक :- यह पाठ्यपुस्तक का मुद्रित रूप होता है जिसे विद्यार्थी खरीद कर अपने बस्ते के स्कूल ले जाते हैं यह लेना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होता है

इलेक्ट्रॉनिक मिडिया संसाधनों से प्राप्त पुस्तक pdf :- इसमे विद्यार्थी अपने मोबाइल फोन से पुस्तक की pdf install कर लेते हैं और कभी भी ही भी पढ़ सकते हैं यह बस्ते के भार को कम करता है

अच्छी समाजिक अध्ययन की अच्छी पाठ्यपुस्तक की विशेषता

(1) यह विद्यार्थि के योग्यता अनुकूल हो :- इसकी पहली विशेषता यह है कि यह हर विद्यार्थी की योग्यता के अनुकूल होनी चाहिए

कम स्तर के विद्यार्थीयो को कठोर विषय नही इसमे सम्मलित करनी चाहिए

(2) इसकी भाषा सरल हो :- अच्छी समाजिक अध्ययन के पाठ्यपुस्तक की भाषा सरल होनी चाहिए जो विद्यार्थियो को समझ आए तथा जिसे विद्यार्थीयो को विषय सीखने मे आसानी हो

(3) प्रतिष्ठित शिक्षा विद्वानो के मार्गदर्शन से तैयार हो :- अच्छी समाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक को प्रतिष्ठ विद्वानो के मार्गदर्शन से तैयार किया जाना चाहिए

(4) लेखक को निष्पक्ष होना चाहिए :- अच्छी समाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के लेखक मे निष्पक्षता होनी चाहिए वह घटना को सही अर्थो मे लिखे

Scanned with OKEN Scanner

(5) लेखकों के छोटे झगड़े से मुक्त हो :- अच्छी सामाजिक अध्ययन का पाठ्यपुस्तक लेखक के अपने छोटे झगड़े से मुक्त होनी आवश्यक है।

(6) नए सामाजिक अध्ययन के शोध अनुसंधान जोड़े जाए :- अच्छी सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक में नए-नए किए गए सामाजिक अध्ययन के शोध व अनुसंधान जोड़े हो जाने चाहिए।

(7) अच्छी सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक से छात्रों को देश की संस्कृति, विश्वास व समाधान से अवगत कराए :- अच्छी सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक वह होती है जो विद्यार्थी को देश के समाधान, संस्कृति व विश्वास का ज्ञान दे।

(8) छात्रों को राष्ट्र के विकास में योगदान देने में प्रेरित करे

अच्छी सामाजिक विज्ञान की पुस्तक वह होती है जो छात्रों को राष्ट्र के विकास में योगदान देने में प्रेरित करे

(9) छात्रों में स्वः शासन व स्वः अध्ययन की प्रवृत्ति लाए

अच्छी सामाजिक अध्ययन की पुस्तक वह होती है जो छात्रों को स्वः अध्ययन की प्रवृत्ति लाने में सहायक हो।

(10) अच्छी सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक सत्य पर आधारित हो :- अच्छी सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक वह होती है जो घटनाओं की सत्यता पर आधारित हो जिसमें कुछ काल्पनिक न हो।

Scanned with OKEN Scanner

(11) देश व वैश्विक समस्यों का छात्रों को ज्ञान हो :- अच्छी सामाजिक विज्ञान अध्ययन उसे मानी जाती है जिससे छात्रों के देश की और विश्व की उत्पन्न समस्यों का ज्ञान हासिल हो।

(12) अच्छी सामाजिक अध्ययन की पुस्तक बच्चों को पाठ रुचि पूर्वक पढ़ने के लिए प्रेरित करती है :- अच्छी सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को पाठ के प्रति रुचि जगाने में सहायक होती है।

निष्कर्ष :- उपरोक्त को पढ़कर हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते है कि अच्छी पाठ्यपुस्तक का सत्यता पर आधारित होना आवश्यक है तथा जिससे छात्रों को देश की विरासत, संस्कृति व देश प्रेम जागृत हो वही अच्छी पुस्तक मानी जाती है।

Unit V

(1) वार्षिक योजना :- वार्षिक योजना वह योजना होती है जिसमे अध्यापक अपनी पाठ योजना वर्ष के अनुसार बनाता है कि उसे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम किस प्रकार कराना है किन शिक्षण मॉडलो का प्रयोग करना है यह पूरे वर्ष के लिए बनाई जाने वाली योजना है दूसरे शब्दों मे पूरे वर्ष के लिए बनाई जाने वाली शिक्षण हेतु योजना को पाठ योजना कहते है।

S.No	Month	Social Study Plan	Prepration Plan	Activity Plan	Startazy Plan	Assessment Plan

Scanned with OKEN Scanner

full form ?

(b) ICSSR = इसका कार्यालय दिल्ली में है।
इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा 1964 में समाजिक विज्ञान अध्ययन विषय के भारत में विकास हेतु बनाई गई थी
• यह समाजिक अध्ययन के अध्यापकों के लिए व्यवसायिक कार्यक्रम चलाता है जैसे सेमीनार, व्यख्यान, समाजिक अध्ययन एवं शोध इत्यादि

(c) open book test या खुली पुस्तक परीक्षा से अभिप्राय है जिसमें छात्रों को एक परीक्षा में किताब की जाने की अनुमति होती है या छात्रों को एक बड़ा सा गद्यांश दिया जाता है कि और उससे संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं प्रश्नों के उत्तर उसी गद्यांश में होते हैं जिसे छात्रों को एक स्थान पे पढ़कर उसके उत्तर को खोजना होते है।

(d) उपभोक्ता अधिकार वह अधिकार है जो एक ग्राहक को समान खरीदते वक्त प्राप्त होते है तथा जिसके हनन होने पर ग्राहक कानूनी रूप से कार्यवाही अदालत में कर सकता है COPR ACT 2019 के तहत उपभोक्ता के 6 अधिकार है

(1) सुरक्षा का अधिकार
(2) सुचना का अधिकार
(3) चुनने का अधिकार
(4) शिक्षा का अधिकार
(5) सुने (Heard) जाने का अधिकार
(6) शिकायत के निपटारे का अधिकार

1½

Unit IV

(8) वैश्वीकरण से अभिप्राय विश्व में सभी देशों का आपसी जुड़ाव होना यह जुड़ाव आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक आदि के आधार पर हो सकता है आज प्रत्येक देश अपनी आवश्यकता व जरूरतों के लिए सभी देशों पर निर्भर है इसे ही वैश्वीकरण कहते है जिससे सभी देशों की अर्थव्यवस्थाओं का आपसी जुड़ाव हो गया है

वैश्वीकरण का भारत पर सकारात्मक प्रभाव:-

① नवीन तकनीकों का आगमन :- वैश्वीकरण का भारत पर सबसे महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव यह पड़ा की भारत में नवीन तकनीकों का आगमन होने से बहुत सी समस्याओं का निपटारा हुआ

② विदेशी पूंजी में बढ़ोत्तरी :- वैश्वीकरण का भारत में एक महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव यह पड़ा कि भारत में विदेशी मुद्रा भण्डार में बढ़ोत्तरी हुई।

③ बहुराष्ट्रीय कंपनीयों के निवेश हुए :- वैश्वीकरण का एक और सकारात्मक प्रभाव यह पड़ा की इससे भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनीयों के निवेश बढ़े क्यों भारत अधिक जनसंख्या वाला देश होने के कारण एक बड़ा बाजार है

④ रोजगार के अवसरों में वृद्धि :- वैश्वीकरण का एक और सकारात्मक प्रभाव यह पड़ा कि इससे भारत में रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई।

Scanned with OKEN Scanner

(5) विदेशों अन्य देशों से अच्छे संबंध बने :- वैश्वीकरण का एक और सकारात्मक प्रभाव यह पड़ा कि भारत की अन्य देशों से अच्छे संबंध बने।

(6) वैश्वीकरण से उद्योगों की संख्या बढ़ी और कृषि पर निर्भरता कम हुई :- वैश्वीकरण से उद्योगों की संख्या बढ़ी और भारत की कृषि पर निर्भरता कम हुई।

(7) स्वतंत्र प्रतियोगिता के अवसर मिले बाजार में इसका एक सकारात्मक प्रभाव यह भी पड़ा कि इससे बाजारों में विभिन्न उद्योगपतियों को स्वतंत्र प्रतियोगिता के अवसर प्राप्त हुए।

(8) ग्राहकों को अधिक विकल्प मिले :- इसका एक सकारात्मक प्रभाव यह भी पड़ा कि इससे भारतीयों को समान खरीदने के अधिक विकल्प मिले हैं।

(9) भारत के निर्यात में वृद्धि हुई इसका एक प्रभाव यह भी पड़ा की इससे भारत के निर्यात में वृद्धि हुई।

II वैश्वीकरण के नकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर

(i) घरेलू उद्योगों का पतन :- इसका सबसे नकारात्मक प्रभाव यह पड़ा की इससे भारत के घरेलू उद्योग (कुटिर, आदि) का नाश हो गया।

(ii) हाथ से बने समान बेचने वाले लोगों को बेरोजगार बना दिया

इसका नकारात्मक प्रभाव यह पड़ा की

Scanned with OKEN Scanner

मे समान बेचने वाले लोगो को इससे बेरोजगार बना दिया क्योकि मशीनो से बना समान सस्ता होता है

(iii) लोगो के संस्कृति का पतन :- इससे लोगो के संस्कृति का पतन हो गया तथा वह पश्चिमी सभ्यता को अपनाने लगे।

(iv) भारत मे विदेशी माल की मांग बढ़ी और भारतीय माल को खरीदना खत्म हो गया :- इससे भारत मे विदेशी मांग बढ़ी और भारतीय समान की मांग कम हो गई जिससे आयात मे वृद्धि होने लगी और निर्यात कम हो गया

(v) वैश्वीकरण से भारतीय कृषि को नुकसान :- वैश्वीकरण से भारत मे कृषि को नुकसान होने लगा।

(vi) वैश्वीकरण से भारतीय अर्थव्यवस्था को विदेशी कंपनीया प्रभावित करने लगी :- वैश्वीकरण से भारत मे अर्थव्यवस्था को विदेशी कंपनीया प्रभावित करने लगी जिस कारण भारत को उनकी सुविधाओ का ध्यान रखना पड़ता है

(vii) भारतीय नैतिक मुल्यो का पतन :- वैश्वीकरण से भारत के लोगो के नैतिक मुल्यो का पतन हुआ और विदेशी विचारो जो भौतिकवादी है उनको बढ़ावा मिला

निष्कर्ष उपरोक्त को पढ़कर हम इस निष्कर्ष पर पहुचते है कि वैश्वीकरण से पुरा विश्व एक बाजार बन गया है तथा हर देश एक दूसरे पर आश्रित है

Scanned with OKEN Scanner

Unit III

5

व्यवसायिक विकास की अवधारणा से अभिप्राय है अपने व्यवसायिक कौशलों में उन्नति करना या विकास करना। समाजिक अध्ययन के अध्यापकों को व्यवसायिक विकास के लिए बहुत सारे कार्यक्रम चलाए जाते हैं जिसमें वे हिस्सा लेकर अपने व्यवसाय में अपनी कार्यशैली का विकास कर सकते हैं जिससे उनके शिक्षण शैली का विकास होता है।

समाजिक अध्ययन के अध्यापकों के व्यवसायिक विकास के तरीके

(1) **शिक्षण ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाकर** :- समाजिक अध्ययन के शिक्षकों के लिए शिक्षण ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाकर उनका व्यवसायिक विकास किया जा सकता है।

(2) **सेमीनार के द्वारा** :- सेमीनार का आयोजन कर के समाजिक अध्ययन के अध्यापकों को व्यवसायिक विकास किया जा सकता है जिसमें उन्हें बहुत सी शिक्षण तरीकों का ज्ञान होता है।

(3) **वर्कशॉप के द्वारा** :- वर्कशॉप के द्वारा समाजिक अध्ययन के अध्यापकों का व्यवसायिक विकास हो सकता है वर्कशॉप समय-समय पर आयोजित की जानी चाहिए

Scanned with OKEN Scanner

(5) व्याख्यान द्वारा :- व्याख्यान पद्धति के द्वारा भी सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों का व्यवसायिक विकास किया जा सकता है जिसमें इन्हें अपनी अनुभव व अपने बात साझा करने का अवसर दिया जाता है।

(6) प्रौद्योगिक तकनीक का प्रशिक्षण देना :- सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों को अलग से प्रौद्योगिकी तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए

(7) पैनलों द्वारा :- पैनलों के द्वारा सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों को सामाजिक अध्ययन का व्यावसायिक विकास हो सकता है।

(8) प्रतिष्ठित प्रतिकाओं की सदस्यता देकर :- प्रतिष्ठित प्रतिकाओं की सदस्यता देकर भी सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों का व्यवसायिक विकास हो सकता है

(9) सामाजिक अध्ययन में शोध अनुसंधान व PHD डिग्री के लिए प्रेरित करने से :- सामाजिक अध्ययन के अध्यापकों को सामाजिक विज्ञान में शोध अनुसंधान व PhD डिग्री लेने के लिए प्रेरित करने से उनका व्यवसायिक विकास हो सकता है

NCERT की भूमिका

सामाजिक अध्ययन के शिक्षकों के व्यवसायिक विकास में NCERT की महत्वपूर्ण भूमिका

Scanned with OKEN Scanner

(1) NCERT द्वारा सेमीनारो का आयोजन :- NCERT द्वारा समय समय पर सेमीनारो का आयोजन किया जाता है

(2) NCERT द्वार WORKSHOP :- NCERT द्वारा समय समय पर वर्कशॉप लगाए जाते हैं सामाजिक समाजिक अध्ययन के अध्यापकों के लिए

(3) NCERT द्वार शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम :- NCERT द्वार समय - समय पर शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है

(4) NCERT द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम :- NCERT द्वारा समय - समय पर शिक्षकों के लिए व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है

(5) वित्तीय सहायता :- ? NCERT द्वारा सामाजिक अध्ययन के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए वित्तीय मदद दी जाती है

निष्कर्ष उपरोक्त को पढ़कर हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शिक्षकों की शिक्षण शैली, तथा पदोन्नति में सहायक है तथा उनके सीखने में सहायता करता है जिससे उनके शिक्षण में सुधार होता है

Scanned with OKEN Scanner

33/40 V. Good. can score high. Improve presentation. more Discuss.

PART-A

(SEE INSTRUCTIONS OVERLEAF)

(To be filled by the candidate)

College Roll No. 014

Name Divya Negi

Answer Sheet Sr. No.

Sub Code

Class & Section B.Ed. Ist Sem 'B' 66

Subject & Medium S.S.T / English

Date of Exam

Exam Code 080423

DUMMY

Centre Code

Signature of Invigilator

GOVERNMENT COLLEGE OF EDUCATION

OMR ANSWER BOOK (36 PAGES)

PART-B

(TO BE FILLED BY EXAMINER)

DETAILS OF MARKS

Q No		Q No		Q No	
1		13		25	
2		14		26	
3		15		27	
4		16		28	
5		17		29	
6		18		30	
7		19		31	
8		20		32	
9		21		33	
10		22		34	
11		23		35	
12		24		36	

TOTAL IN FIGURES

TOTAL IN WORDS

Subject Code

Answer Book Code No.

Examiner ID No.

Head Examiner ID No.

Space for affixing COE's Stamp with Date

Signature of Examiner

Signature of Head Examiner

GOVERNMENT COLLEGE OF EDUCATION

(SEE INSTRUCTIONS OVERLEAF)

PART-C

(TO BE FILLED BY EXAMINER)

Code No.

Fill from Question Paper

Total Marks Obtained To be filled by Examiner

Total Marks Obtained To be filled by Checking Asstt.

Examiner ID No.

Examiner's Signature

Checking Asstt. ID No.

Checking Asstt.'s Signature

13/4/23

GOVERNMENT COLLEGE OF EDUCATION

(SEE INSTRUCTIONS OVERLEAF)

PART-D

(TO BE FILLED BY CANDIDATE)

College Roll No. 214

Exam Code (Fill from Question Paper)

Subject Code (Fill from Question Paper)

Govt. College of Education Sec. 20-D, Chandigarh 08 APR 2023

Scanned with OKEN Scanner

Unit - I

Ans 1) Lesson plan :-

Lesson plan is a blue-print of teacher's teaching ; that 'what' and 'with what' the teacher will take classes.

★ • Concept of lesson-plan :-

→ Concept of lesson is introduced in 1800, different types of Educationists, Sociologists researches and discussed about lesson-plan.

(i) 'what and with what' → 'what' means what topic teacher will teach in the class during the Period of 40 minutes. and 'with what' means with what teaching objects and materials teacher uses to take the class and what kind of teaching aids he gonna use in the class.

(ii) when and How → 'when' means when the suitable time and readiness of a learner to learnt that topic. 'How' means How teacher will prepare that and introduced that topic, so that students will take interest in learning.

(iii) Blue print of teaching learning process → lesson-plan is a blue-print of teaching-learning process in which teacher prepare & summarise the content that help teachers to create a systematic teaching.

(iv) Process | steps of lesson-plan → • Preparation - teacher will prepare the topic so that the students will able to recall and recognise.

• Presentation → Presentation of the topic, to develop the interest among the learners.

• Announcement of the topic → announcement of the topic like :-
- "well students today we will discuss about this _ the topic".

• Generalisation → General objective, that students will recall. then "General to Specific".

• Recapitulation → ask students about that topic & some related Questions so that teacher will analysis.

• Home-work → After taking the class teacher will give some Questions or problem which are related to that particular topic. it will also help teacher to know that the understanding of the learner.

Scanned with OKEN Scanner

★ Need and Importance of a lesson-plan :-
– lesson-plan is very important to create a systematic teaching, creativeness, skills of teaching, time-saving etc.

(i) Systematic teaching → Through lesson-plans teacher will able to do systematic teaching, they will teach according to their plans.

(ii) Balanced teaching → lesson-plan also help to do a balanced teaching because teacher plans everything, How, much time should given to a topic, then Home-work, discussions etc.

(iii) Saves Time and Energy → It saves time and energy of teacher, if teacher is pre-prepare before teaching the class, the time will save and save energy of the teacher.

Effective teaching → lesson plan provide an effective teaching, because teacher will ready with different teaching Aids which create an effective class room teaching.

(v) Develop interest → it develops the interest among the students, when teacher uses different methods of teaching, teaching Aids it develop interest among the learners.

(vi) Skills of the teachers → it also develop the creativity of the teacher, and skills of teaching, which he planned in his lesson-plan.

(vii) understandable → by lesson-plan the teaching will easily understandable to the learner because teacher plan according to the students so that they will understand the content in easy manner.

(viii) Mental Ability → it improve the mental Ability of the teachers as well as the students, through Group-discussion, Problem solving method it helps to develop the mental Ability of teachers & learners too.

(ix) Repitation → Through lesson-plan the repitation of the topic will avoided, every day a new topic and content would give to the students.

Scanned with OKEN Scanner

Unit – II

Ans 3) Texts book :–

Meaning :–

– "Text book is a 'teacher' of a 'teacher'.

– written content which helps teacher as well as the learner.

→ A Text book plays an important role in teaching and learning process. It helps teacher to guide how to present and give the content of the topic.

→ Text-book also play an important role in students / learners life. it helps them to understand the content if the teacher is not available.

→ it is a written form book which is written by the researchers and the content of the book is checked by the research committy that then textbook print and it will give priority to the student, it helps them and act as a guide of the teachers and learners.

Give some definitions of different educationist.

• – Features of Good social studies Text-book :–

(i) Quality of knowledge and subject matter :–

– Quality of knowledge should be clear in text of S.S.T. subject matter content like every information must be included in the textbook.

(ii) unbiasedness of the Author :–

– unbiasedness of the Author should not only one Author's content should given Author are each should be selected by their subject matter, favouritism must be excluded.

(iii) Reasonable price of the text-book :–

– The price of the book should be reasonable, so that each and every student will able to buy the book.

(iv) Gender discrimination :–

– Gender discrimination must be removed from the text-book, it should encourage every

Scanned with OKEN Scanner

(v) Cartoons and illustration → cartoons and illustration should be added in every chapter so that student will take interest to read the text book.

(vi) Proper knowledge of Geography → Proper knowledge of environment, Geography, Locations, maps, Population earth. so that book will be more informative.

- Civics → Proper information of democracy, fundamental rights, freedom, justice, elections, political parties etc.
- History → information of ancient, medival, and modern India, freedom fighters, Kings, British rules etc.

(vii) Font size → Proper font size of the words, not too large, not too small it should be equal and readable so learner will read easily.

(viii) Proper spacing → proper spacing between the words and the lines so the 'eye-span' will not happen while reading out the book.

(ix) language → used language should be easy, it should be used according to the learner. So that students will find easy to read and it will be very understable to the learners.

(x) time to time updation → updation of the book through the time and the recent knowledge and information should be added in SST textbooks so that learners will aware up of current situations and it will boost their I.Q level and makes the text-book interested.

6½

★ Conclusion :- By the above points, and the features of text book, it is very important to add these features in the text-book of SST, because text book is a aid which is used by the teachers and the learners too.

Scanned with OKEN Scanner

Unit - III

Ans 5) Concept of Professional development :-

- Meaning :-

- Professional development means, development of a teacher in his/her subject, development of their teaching, knowledge which helps them to in their profession.

- Concept of Professional development :-

- Development of a teacher by providing them different types of courses which be them to teach effectively and inhance & update their knowledge.

(i) value updation of the knowledge → Professional development update the information of the teachers and they gain extra knowledge.

(ii) Continuous learning → Continuous learning of a teacher, teacher learn and continue in his/her learning line to line they do Professional courses to inhance teaching.

(iii) Helpful in promotion of teaching → Helpful in professional development is also helpful in promotion of the teacher, by doing different type of education courses they can easily promote their rank and position.

(iv) Subject knowledge → In prop professional development subject knowledge is also provided to the teacher with recent and latest technologies and resources.

* → Ways and Role of NCERT in professional development :-

(i) Role of NCERT → NCERT (National council of education Research and training)

NCERT plays an important role in the Professional development of the teacher. they conduct different types of online and offline courses to inhance the teachers development with latest technologies and Resources. It provide and give various opportunity to the teachers to develop themselves and give certificates to them for that courses.

Scanned with OKEN Scanner

(ii) Seminars → NCERT conduct different types of seminars for the professional development in seminars teacher spoke up of the given topic and also listen others opinion, it develops the confidence of the teacher.

(iii) workshops → NCERT also conduct workshops in every field like social Science exhibitions it helps teacher to develop his and her creativeness, skills, and know more about their subjects.

(iv) Exibition → "Social-science exibition" every year NCERT conduct social science exibition to develop the knowledge of the social issues, Geographical conditions of india, Political parties, History of India etc.

(v) value-added courses → They conduct different value added courses, in which teachers are invited to attend that course for few days. It also helps them in their promotions.

(vi) Online-Courses → online courses also arrage for the teacher to development of proffesions In this teacher ~~to should~~ will enroll themselves and attend that online-course, then the scores will added and online ~~cerf~~ certificate are provided to their teacher.

(vii) DIKSHA Portal → DIKSHA portal to inhance the proffesional development of the teacher, it is an online-course which is for teachers to boast their knowledge.

(viii) Usage of technologies → also provide the technologies course in which a teacher learnt a how to use Interactive boards, ICT, Podium etc.

62

★ Conclusion :-

This professional development is very important for teachers, it helps them to recreate and reboost their knowledge according to the recent demands of the teaching-learning-process.

Scanned with OKEN Scanner

Unit - IV

Ans 7) Indian constitutional Design :-

- Meaning :-

→ Constitution of India ~~is~~ is a longest constitution in the world. It is a written format of our laws, articles and Democracy. we celebrate constitution day At 26th November.

- It was Adapt and Enact on 26th Nov. 1949.
- and written by Dr Bhimrao Ambedkar.
- Every detail of our laws, orders, Articles are ~~the~~ fully described in our constitution.

- Democracy :-

"Democracy is the Government, for the people, by the people and of the people."

— Abraham - Linchon

- India is a sovereign country with ~~a~~ strong democracy, justice of social, Political, and economical factors.

* Salient features of constitutional Design :-

(i) Equality → Equality among ~~the~~ everyone. Giving equal ~~opportuniti~~ opportunity to the ~~san~~ every status either he will rich or poor, equal opportunity should be given to the citizens.

(ii) liberty → liberty of thoughts, expressions, faith and worship. everyone has liberty to worship their God of every Religions, he has liberty of thinking and to express, himselves.

(iii) Justice → Justice of social, economic and Political :-

(i) Social → social justice among societies and other social issues.

(ii) Economic → Economic justic of economy activities, empoyees, weights, ~~and~~ capital etc.

(iii) Political → Political justice of any political aspects, votes, rights, crime, corruption etc.

(iv) Gender discrimination → Discrimination of Gender ~~not~~ must not

Scanned with OKEN Scanner

done, either he will male or she will female, everyone has equal rights no-one can discriminate anyone without his/her Gender.

(V) Secularism → India is a secular country everyone has right to follow their culture, tradition, religion etc. Same respect will give either he is Hindu, Muslim, Sikh or Christian.

(vi) Freedom → Freedom of everything everyone has :- freedom to speak, write, do whatever they want in legal manner.

(vii) Right to education → Right to education and free compulsory education to everyone everyone has right to get education & in 6-14 age free and compulsory education.

(viii) Racism → No-one will judge and behave on the basis of their colour, caste and appearance.

(ix) fundamental rights → everyone has their fundamental rights, they can use it whenever they needed, everyone should have knowledge of their rights so that they can use and realise the situation and file complain according to their case and rights.

(x) Lok-Sabha and Rajya Sabha → Their are two legislative 'Lok-Sabha' which Represent the central seats of Govt and 'Rajya Sabha' which represent the state seats and power.

* Conclusion :-

- As we know that India is a diverse country "unity in diversity", different castes, race, creeds and Religions are together in one way. the biggest reason of unity is our constitution, who kept us together and provide equal rights and justice to every people of India.

7

Scanned with OKEN Scanner

unit-V

Ans (a) Annual Plan → Annual plan is a yearly plan or yearly lesson-plan.

→ In this teacher divide and lessons and activities according to the Math months.

→ Teacher prepare Annual Plan to analysis which and what topic he/she will teach in year so that systematic learning occur in classroom.

→ Co-curricular Activities is also added in annual lesson-plan.

→ Whole Syllabus in put in a blue-print with each unit and chapter.

→ Teaching Method is written - that which method is appropriate of which topic.

→ Teaching Aids - Teaching Aids of the teacher according to the topics.

→ conduct annual tests to asses the students.

→ Time management → Proper time management of the teacher so that he will able to complete the syllabus on time.

Ans (b) ICSSR → ~~Council of~~ ICSSR ~~Provide~~ Professional

→ ICSSR Provide Professional development courses to the teacher.

What is the full form?

→ Job opportunity.

→ It is specialised for social-studies teachers to develop their skill.

→ Researches are occur to enhance the teaching.

→ Seminars are conducted to SST teachers

→ workshops are conducted.

→ Technologies usage programme.

Ans (c) Open book Test :-

- open book test is a oldest form in which books were printed. to

(i) → content and subject materials are given in the form of stories and Paragraphs.

(ii) → Comprehension questions are provided at last.

(iii) → subjectivity is less in open book test.

(iv) → lack of information.

Scanned with OKEN Scanner

Ans (a) Consumer Rights :-

- Consumer Rights are the Rights which are made for consumer in the case of fraud or any mishappenings.

(i) Right to safety → Right to safety of consumer that the product or good he is consuming has proper safetly.

(ii) Right to be informed → Right to be informed about the product or the good which consumer is buying.

(iii) Right to be heard → Right to be heard, if the product is defective, shopkeeper or Seller has to listen and hear the opinion and the problem of the consumer.

(iv) Right to choose → Right to choose, that what he/she want to purchase, no-seller can force them to buy particular brand and good.

(v) Right to seek Redressal → Right to seek Redressal if the good is and the product is defective consumer can claim and shopkeeper/ Seller have to give the compensation to the consumer or exchange the product.

(vi) Right to information → Right to information of their consumer protection rights are so that they can claim if any seller/ shopkeeper do fraud with them.

Scanned with OKEN Scanner

PART-A

(To be filled by the candidate) (SEE INSTRUCTIONS OVERLEAF)

College Roll No. 298

Name Ramandeep kaur

Answer Sheet Sr. No

Sub Code 962

Date of Exam 170423 (DDMMYY)

Exam Code

Centre Code

Class & Section B.ED 2 sem 'CB'

Subject & Medium E-2.4 Punjabi

Signature of Invigilator

GOVERNMENT COLLEGE OF EDUCATION

OMR ANSWER BOOK (36 PAGES)

PART-B

(TO BE FILLED BY EXAMINER)

DETAILS OF MARKS

Q.No.		Q.No.		Q.No	
1	6½	13		25	
2		14		26	
3	6½	15		27	
4		16		28	
5	6	17		29	
6		18		30	
7	5	19		31	
8		20		32	
9	7	21		33	
10		22		34	
11		23		35	
12		24		36	

TOTAL IN FIGURES 31/40

TOTAL IN WORDS Thirty One

Subject Code

Answer Book Code No.

Examiner ID No.

Head Examiner ID No.

Space for affixing COE's Stamp with Date

Signature of Examiner

Signature of Head Examiner

GOVERNMENT COLLEGE OF EDUCATION

(SEE INSTRUCTIONS OVERLEAF)

PART-C

(TO BE FILLED BY EXAMINER)

Code No. Fill from Question Paper

Total Marks Obtained To be filled by Examiner

Total Marks Obtained To be filled by Checking Asst.

Examiner ID No.

Examiner's Signature

Checking Asst. ID No.

Checking Asst.'s Signature

GOVERNMENT COLLEGE OF EDUCATION

(SEE INSTRUCTIONS OVERLEAF)

PART-D

(TO BE FILLED BY CANDIDATE)

College Roll No. 298

Exam Code (Fill from Question Paper)

Subject Code (Fill from Question Paper)

Space for affixing COE's Stamp with Date

Govt College of Education ... 17 APR 2023 ... 20 D, Chandigarh

UNIT- I

1. what is the Curriculum? what are the Principles of Curriculum Construction?

Ans -> **ਭੂਮਿਕਾ** .... ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਇੱਕ ਅਜਿਹੀ ਵਸਤੂ ਹੈ ਜੋ ਅਧਿਆਪਕ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਿਆਂ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਜੋ ਕਿ ਹਰੇਕ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਅਸੀਂ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਬਾਰੇ ਪੜ੍ਹਾਂਗੇ ->

CURRICULUM -> ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਸ਼ਬਦ ਲਾਤੀਨੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਸ਼ਬਦ ਤੋਂ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਿਸਦਾ ਅਰਥ ਹੈ 'ਰਸਤਾ' ਅਤੇ 'ਮੈਦਾਨ'। "ਇਹ ਕੁੱਝ ਵੀ ਹੋਵੇ ਇਹ ਰਸਤਾ ਹੈ ਜੋ ਅਧਿਆਪਕ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਦੇਸ਼ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦੇ ਹਨ।" ਇਸਦੇ ਤਿੰਨ ਪੱਖ ->

PRINCIPLES OF CURRICULUM CONSTRUCTION →

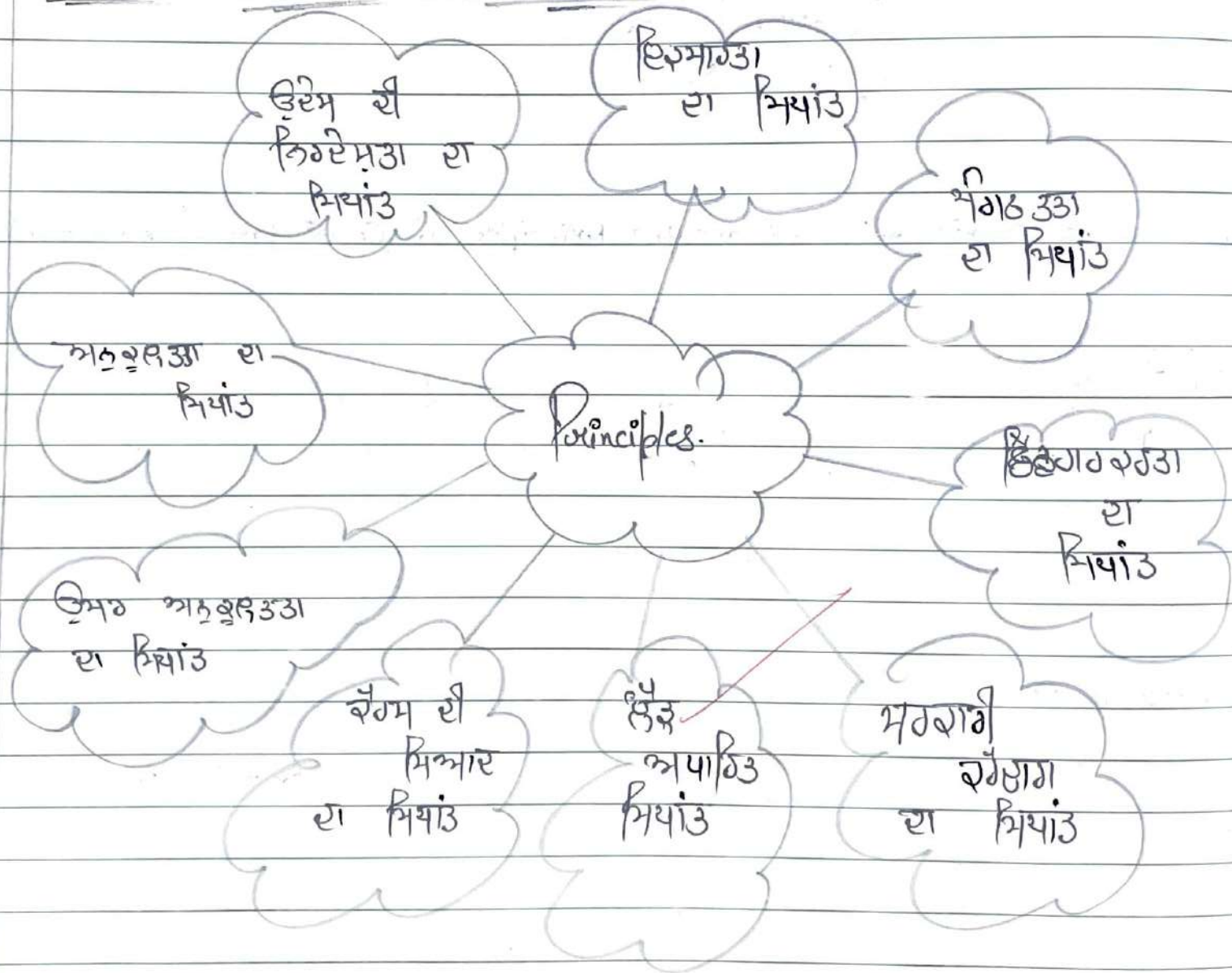

(1) ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ->
ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿੱਚ ਉਦੇਸ਼ ਦੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ਤਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦਾ ਵਿਚ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਦੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ਤਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

(2) ਅਨੁਕੂਲਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ->
ਇਸ ਵਿੱਚ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਦੇ ਅਨੁਕੂਲਤਾ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਉੱਤੇ ਇਹ ਸਿਧਾਂਤ ਚਲਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ।

(3) ਉਮਰ- ਅਨੁਕੂਲਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ->
ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿੱਚ ਉਮਰ- ਅਨੁਕੂਲਤਾ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਬੱਚਾ ਪੜ੍ਹ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਸ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ ਕਿੰਨੀ ਹੈ।

(4) ਵਰਸ ਦੀ ਸਿਆਣ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ->
ਇਸ ਵਿੱਚ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਵਰਸ ਦੀ ਸਿਆਣ ਕਿੰਨੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਜੋ ਬੱਚਾ ਪੜ੍ਹ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਸਨੂੰ ਹੋਰ ਕਿੰਨਾ ਸਮਾਂ ਲੱਗੇਗਾ।

(5) ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ- ਅਧਾਰਿਤ ਸਿਧਾਂਤ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਵੀ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਸਨੂੰ ਅਧਿਆਪਕ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

(6) ਸਹਿਗਾਮੀ ਅਨੁਭਵਾਂ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਅੱਗੇ ਵਿਸ਼ਾ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

(i) ਸਮਾਜ ਦੀ ਅਖੰਡਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਸਮਾਜ ਦੀ ਅਖੰਡਤਾ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।

(ii) ਸਮਾਜ ਦੀ ਪ੍ਰਗਤੀ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਸਮਾਜ ਦੀ ਪ੍ਰਗਤੀ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।

(7) ਵਿਵਹਾਰਕਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਵਿਵਹਾਰ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਅੱਗੇ

ਵਿਵਹਾਰਕਤਾ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ

(i) ਨੈਤਿਕ ਮੁੱਲਾਂ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ->
ਇਸ ਵਿੱਚ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਚਰਿੱਤਰ ਦੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨੈਤਿਕ ਮੁੱਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੇ ਹਾਂ

(ii) ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ->
ਇਸ ਵਿੱਚ ਹਰੇਕ ਬੱਚੇ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਕੇ ਦੇ ਕਿਵੇਂ ਨ ਠੀਕ ਰਖ।

(ਸ) ਸੰਗਠਨਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦੇ ਏਕਾਗ ਕਿ ਵਿਦਿ! ਵਿੱਚ ਆਪਸੀ ਅਖੰਡਤਾ ਕਿਵੇਂ ਦੇ ਹੈ ਕਿਵੇਂ ਉਹਨਾਂ ਵਿੱਚ ਆਪਸੀ ਮਿਲਵਰਤਨ ਹੈ।

(ਕ) ਵਿਵਹਾਰਕਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਸਿਲ ਦੇ ਵਿਵਹਾਰਕਤਾ ਨਾਲ ਜੋੜਦੇ ਹਾਂ ਉਸ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਵਿਵਹਾਰਕਤਾ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ->

(1) ਵਿਸ਼ਮਾਦਤਾ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ਕਿ ਬੱਚਿਆਂ ਜਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀ, ਅਧਿਆਪਕ ਕਿੰਨਾ ਇਕ ਦੂਜੇ ਮਿਲ ਕੇ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।

(2) ਇਸ ਵਿੱਚ ਬੱਚੀ ਕਿਸੇ ਵੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਭੇਦ-ਭਾਵ ਤਾਂ ਨੀ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

(3) ਇਸ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਕਿੰਨਾ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਹਨ ਮਾੜੇ ਆਪਸ ਵਿੱਚ।

(4) ਇਸ ਨਾਲ ਅਧਿਆਪਕ ਕਿਤਾ ਦ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਿੱਚ ਪਿਆਰਭਾਵਨਾ ਵੀ ਤਾਦਮਾ ਵਿਕਸਿਤ ਰਹੇਗਾ।

(5) ਵਿਸ਼ਮਾਦਤਾ ਸਭ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਸਿਧਾਂਤ ਹੈ ਜੋ ਦੱਸਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਨਾਲ ਰਹਿਣਾ ਹੈ।

ਚਿੰਤਾ...

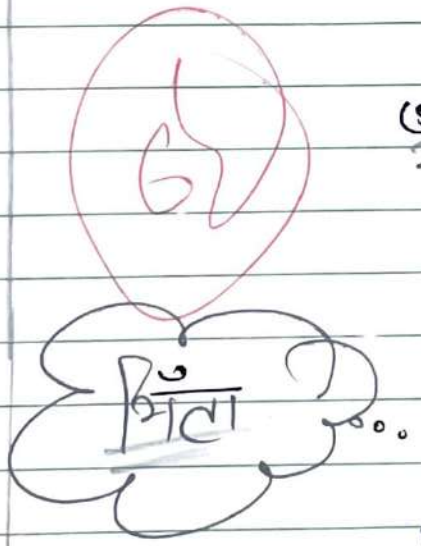

ਅੱਜ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸਾਡੇ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਰਿਵਰਤਨ ਆਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

UNIT - II

3. What is the role of teacher in Curriculum development?

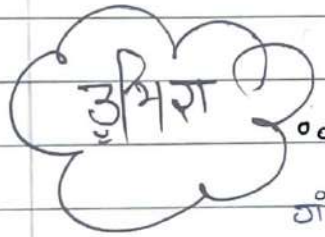

Ans → **ਭੂਮਿਕਾ** ... ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦਾ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਅਸੀਂ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਜਾਣਦੇ ਹਾਂ। ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨਿਰਮਾਣ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਕੌਣ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਸ਼ਿਸ਼ਟ ਕੰਮ ਕਰਦਾ, ਕਿਸ ਢੰਗ ਅਤੇ ਰੋਲ ਅਦਾ ਕਰਦਾ ਇਸ ਬਾਰੇ ਇਸ ਵਿੱਚ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

CURRICULUM DEVELOPMENT → ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨਿਰਮਾਣ ਤੋਂ ਭਾਵ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਸ਼ਿਸ਼ਟ ਕੌਣ, ਕਿਵੇਂ ਤਰੀਕੇ ਅਤੇ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਹੈ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵਿਆਖਿਆ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸਨੂੰ ਹੀ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨਿਰਮਾਣ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

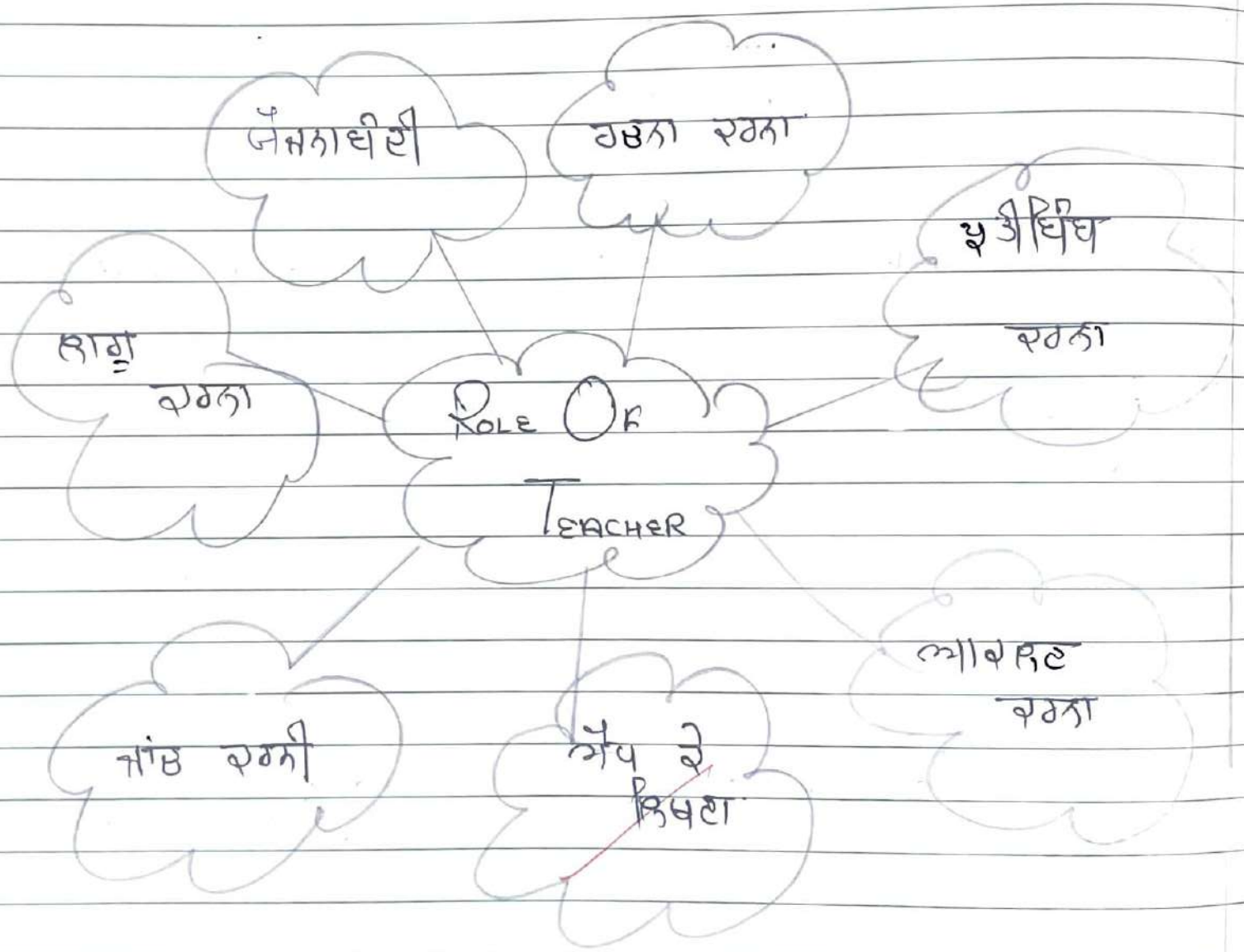
ROLE OF
TEACHER

(1) ਜੈਨਨਾਬੰਧੀ ->

ਅਧਿਆਪਕ ਨੇ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾ ਜੈਨਨਾ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ ਕਿ ਉਸਨੇ ਕੱਲ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿੱਚ ਜਾ ਕੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੱਚਿਆ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ।

(2) ਰਚਨਾ ਕਰਨਾ ->

ਅਧਿਆਪਕ ਦੁਆਰਾ ਉਸ ਨੇ ਜੋ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ ਸੀ ਆਪਣੇ ਇਕ ਦਫਤਰ ਵਿੱਚ ਜਾ ਕੇ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ ਹੈ ਉਸਦੀ ਸਾਰੀ ਵਿਧ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਰਚਨਾ ਕਰਨੀ ਕਿ ਅਸੀਂ ਠੀਕ ਪੜ੍ਹਾ ਰਹੇ ਹਾਂ ਜਾਂ ਨਹੀਂ।

(3) ਪ੍ਰਤਿਬੰਧ ਰਚਨਾ ->

ਅਧਿਆਪਕ ਕੱਲ੍ਹ ਜਿਸ ਬਾਰੇ ਉਸ ਨੇ ਜੈਨਨਾਂ ਬਣਾਈ ਹੈ ਉਸਦਾ ਸੰਤੁਲਨ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕੀ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਕਰਨੀ ਕਿ ਜੋ ਸਾਡਾ ਪ੍ਰਤਿਬੰਧ ਹੈ ਜੋ ਸਾਡਾ ਟੀਚਾ ਹੈ ਉਸ ਦੇ ਪਾਸੇ ਅਸੀਂ ਠੀਕ ਜਾ ਰਹੇ ਹਾਂ ਜਾਂ ਨਹੀਂ।

(4) ਆਦਰਸ਼ ਰਚਨਾ ->

ਅਧਿਆਪਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਜੋ ਪੜ੍ਹਾਉਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰਚਨਾ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ ਰਚਨਾ ਕਿ ਜੋ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਹੈ ਉਹ ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਸਮਝ ਆ ਗਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਪਤਾ ਕਰਨੀ। ਜੋ ਆਦਰਸ਼ ਸਹੀ ਹੈ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਨਹੀਂ।

(5) ਸੋਧ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ->

ਅਧਿਆਪਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੀਆਂ ਇਹ ਗਲਤੀਆਂ ਕਿ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਜੋ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਹੈ ਉਹ ਉਹਨਾਂ ਲਈ ਵੀ ਸਿੱਖਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਗਲਤੀ ਤਾਂ ਨਹੀਂ। ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਰੱਖ ਕੇ ਸੁਧਾਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਤੋਂ ਹੀ ਕੋਈ ਗਲਤੀ ਨਾ ਹੋ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

(6) ਸਾਂਝ ਰਚਨੀ ->

ਅਧਿਆਪਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੁਆਰਾ ਜੋ ਲਿਖੇ

ਜਾਗਦੇ ਇਕ ਸਹੀ ਚੇਤਨਾ ਚਲਾਈ ਹੈ ਉਸ ਵਿਚ ਤੂੰ ਨਾਲ ਕਰਨੀ ਕਿ ਉਸਨੇ ਕਿੰਨਾ ਕੁ ਠੀਕ ਲਿਖਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਪੂਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਅਧਿਆਪਕ ਨਾਲ ਸਹੂਰ ਕਰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸੋਰੇ ਤੂੰ ਦੇਈ ਦੀ ਮੂਲਕਾ ਪਾਠ ਸੰਬੰਧੀ ਵਿਚਿਆ ਨੂੰ ਸਮਝ ਜਾ ਦੇ ਚੁੱਕੇ।

(7) ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ → ਅਧਿਆਪਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਦੀ ਚੇਤਨਾ ਜਗਾਉਂਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਕਿ ਉਸਨੂੰ ਨਾਲ ਕਰ ਕੇ ਆਪਣੀ ਪਕਾਅ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕਿ ਉਸਨੇ ਕਿੰਨਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਕਿ ਅਧਿਆਪਕ ਆਪਣੇ ਸੋਰਚ ਵਿੱਚ ਇਸਨੂੰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਉਪਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਅਧਿਆਪਕ ਲਾਗੂ ਕਰਦਾ ਹੈ।

(8) ਪ੍ਰਜ → ਇਸਦੇ ਤੋਰ ਦੀ ਸੱਗੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਹੋਣਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਹੋਣੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ →

(1) ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਉਪਰ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿਕਾਸ ਕਰਦੇ। ਕਰਦੀਆਂ ਜਾ।

(2) ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਅਧਿਆਪਕ ਉੱਥੇ ਭੂਮਿਕਾ ਘਟਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(3) ਇਸ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਜਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਸ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਕਰਨਾ ਹੈ।

(4) ਅਧਿਆਪਕ ਦਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿੱਚ ਅਹਿਮ ਰੋਲ ਅਦਾ ਕਰਦੀਆਂ ਜਾ।

(5) ਇਸ ਵਿੱਚ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਪੂਰਾ ਕਰਵਾਉਂਦੇ ਤੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦਾ

(6) ਵੱਡੀ ਲੋੜ ਨਹੀਂ ਰੱਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

(7) ਬਹੁਤ ਖੁੱਲ ਹੀ ਅਧਿਆਪਕ ਆਪਣੇ ਵਿਦਿਆ ਨੂੰ ਸਗਨ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਾਉਂਦੇ ਜਾ।

6

ਸਿੱਟਾ :- ਅੰਤ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦੇਸ਼ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕਰਕੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਹੀ ਉਦੇਸ਼ ਅਧਿਆਪਕ ਦਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

UNIT-IV

7. What is the Meaning of Core Idea of developing discipline?

Ans-> ਉਭਰਾ

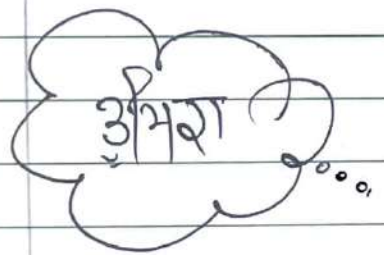

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਚਾਰ ਇਸ ਤੇ ਅਧਾਰ ਹੈ ਕਿ ਇੱਕ ਜਾ ਇਕ ਤੋਂ ਵੱਧ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਆਪਸ ਵਿੱਚ ਮਿਲ ਕੇ ਰਲ ਕੇ ਰੂਪ ਕੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾ ਅਸੀ ਜਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਸੁਧਰਿਤ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਪੇਸ਼ ਕਰਨਾ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ।

CORE IDEA -> ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਚਾਰ ਤੇ ਅਧਾਰ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀ ਕਿਸੇ ਵੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸੁਧਰਿਤ, ਨਵੀ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾ ਵਰਤ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਸਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼

ਵਿਚਾਰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਕਿਸੇ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਕ ਤੇ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੱਕ ਰਹਨਾ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਅਸੀਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਲਈ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ। ਇਸ ਬਾਰੇ ਚਰਚਾ ਕਰਾਂਗੇ ->

Core Ideas Of Developing Discipline ->

(1) ਇਸ ਵਿੱਚ ਮਾਪੇ ਕਿਸੇ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਦਾ ਹੱਲ ਕਰਨਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਉਪਾਅ ਕਿਵੇਂ ਨਾਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਢੰਗ ਨਾਲ ਹੱਲ ਕਰਦੇ ਹਨ।

(2) ਸਾਡੀ ਕੋਈ ਦੀ ਰੋਸ ਪੈਦੇ ਉਪਾਅ ਅਸੀਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

(3) ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਚਾਰ ਅਧਿਆਪਕ ਲਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

(4) ਜੋ ਕਿ ਇੱਕ ਅਧਿਆਪਕ ਪੈਦਾ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹੋਰ ਅਧਿਆਪਕ ਵਿੱਚ ਵਿਕਸਿਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

(5) ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਭਾਗ ਕਰਕੇ ਹੀ ਅਸੀਂ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਵਿਚ ਰਹਿ ਵੀ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਨਹੀਂ ਵੀ।

(6) ਸਿਰਫ਼ ਇਸ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਬਾਰੇ ਹੀ ਸੋਚਦੇ ਹਾਂ।

(7) ਇਹ ਸਾਡੀ ਆਦਤ ਬਾਣੀ ਪੱਕੀ ਕਰਵਾਇਰ ਹੈਦੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

(8) ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਆਸਾਨ ਢੰਗ ਨਾਲ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਚ ਵਿਸ਼ਾਲ ਰਹਿਣਾ ਸਿੱਖਦੇ ਹਾਂ।

(9) ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਦਿੱਤਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਵਿੱਚ ਵਿਕਾਸ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

(10) ਅਧਿਆਪਕ ਇਹ ਕਿ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਲਈ ਆਪਣੇ ਅਧਿਕ ਤਰੀਕਾ ਸਿਖਾਉਂਦਾ ਹੈ।

(11) ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਚੰਗੇ ਕੀ ਉਦੇਸ਼ ਤੇ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ ਚਲਦਿਆਂ ਜਾਣਾ ਹੈ।

(12) ਕਿ ਚੰਗਾ ਅਧਿਆਪਕ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਸਹਾਇਕ ਹੁੰਦਾ।

(13) ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਜਾਂਚੀ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਵਿੱਚ ਵਿਕਾਸ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

(14) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਹਨਾ ਆਦਤਾਂ ਸਮੱਸਿਆ ਵਿੱਚ ਸੁਧਾਰ ਚੁੱਕ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਚੰਗਿਆ ਚੰਗਿਆ ਦੇ ਗੁਣਕਾਂ ਹੈ।

(15) ਵਿਸ਼ ਕਰਕੇ ਅਧਿਆਪਕ ਦਾ ਇਹ ਅਧਿਕ ਮੇਲ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੀ ਹੈ।

(16) ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਨੂੰ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਹੀ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

(17) ਅਧਿਆਪਕ ਦਾ ਚੰਗਿਆਨ ਨੂੰ ਸਰਬਪੱਖੀ ਵਿਕਾਸ ਕਰਨਾ ਜਰੂਰੀ ਹੈ।

(18) ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਚੰਗਿਆ ਸਦੀ ਵਿੱਚ ਅਧਿਕ ਰੂਪ ਦਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਸਿੱਟਾ: ਅਤੇ ਇੱਥੇ ਅਸੀ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਵਿਭਿੰਨ ਵਿਧੀਆਂ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਜਾਂਚੀ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੁਆਰਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਵਿੱਚ ਵਿੱਚ ਵਿਕਾਸ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

UNIT-III

5. Discuss the Subject Centred Approach for curriculum?

Ans-> **ਭੂਮਿਕਾ**

ਵਿਸ਼ਾ ਆਧਾਰਿਤ ਪਹੁੰਚ ਜਿਸਨੂੰ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜੋ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧ ਰੱਖਦੀ ਹੈ। ਇਸਨੂੰ ਅਸੀਂ ਵਿਸ਼ਾ ਆਧਾਰਿਤ ਪਹੁੰਚ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ।

SUBJECT CENTERED APPROACH ->

ਜਿਸਨੂੰ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ਾ ਆਧਾਰਿਤ Subject Centred Approach ਪਹੁੰਚ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੇਵਲ ਅਸੀਂ ਕੀ ਵਿਸ਼ੇ ਪੜ੍ਹਦੇ ਹਾਂ। ਇਸ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧ ਰੱਖਦੀ ਹੈ। ਵਿਸ਼ੇ ਅਸੀਂ ਬਾਹਰ ਵਿੱਚੋਂ ਕੇ ਹੀ ਜਿਤਨਾ ਸਕਦੀ

ਮੁੱਢ ਉਪਜੀ ਅਸੀ ਵਿਸ਼ਾ ਅਪਾਹਿਜ ਬੱਚੇ ਹੋ ਜਾ।

ਉਦਾਹਰਨ -> (i) ਇਤਿਹਾਸ
(ii) ਭੂਗੋਲ
(iii) ਵਿਗਿਆਨ
(iv) ਖੇਡ

ਹੁਣ ਅਸੀ ਵਿਸ਼ਾ ਅਪਾਹਿਜ ਬੱਚੇ ਦਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਕਿ ਸੰਬੰਧ ਤੇ ਕਿਸ ਬਾਰੇ ਪੜ੍ਹਾਂਗੇ ->

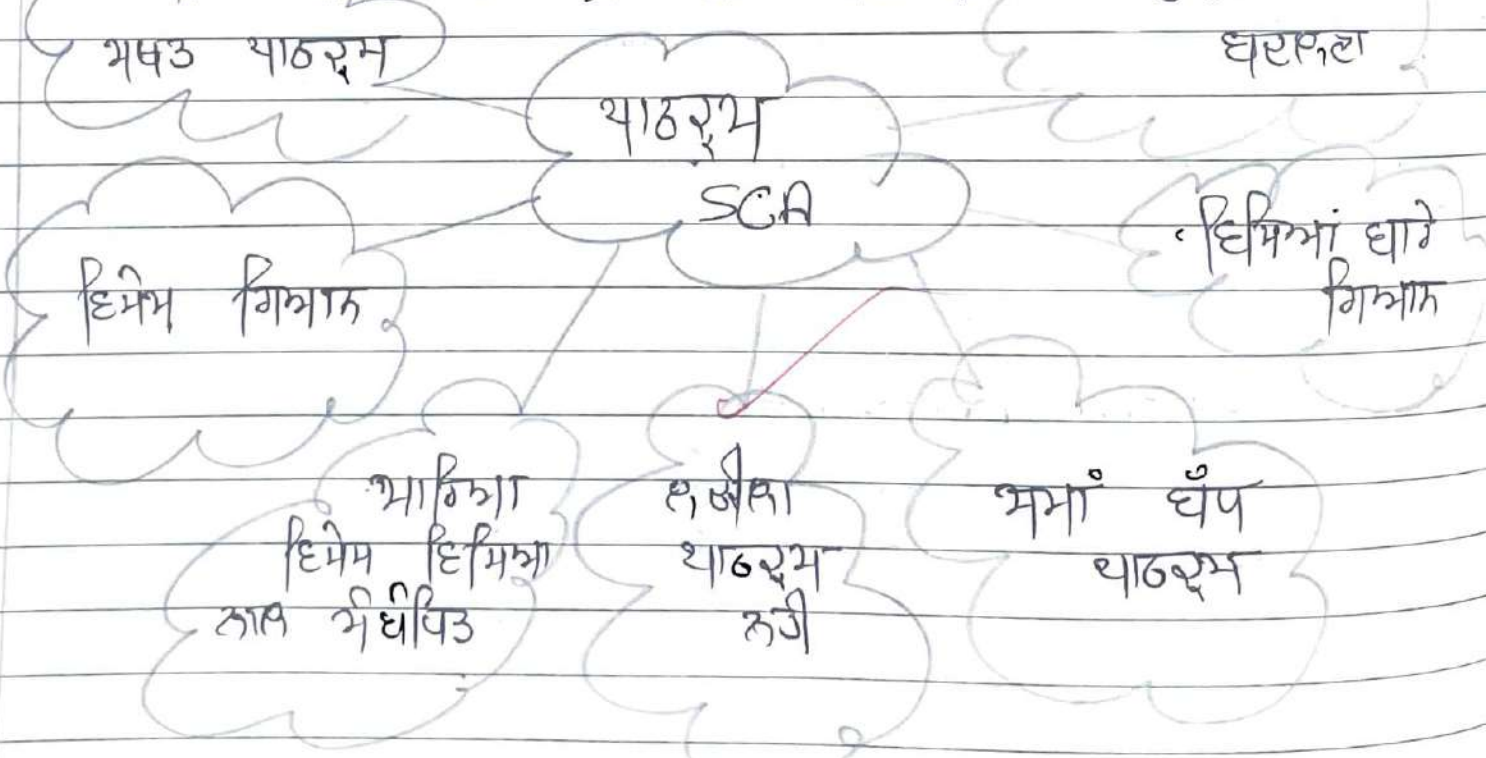

(1) ਸਪਸ਼ਟ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ->
ਇਸ ਅਪਾਠਿਤ ਪੜ੍ਹਤ ਨੂੰ ਕਿ ਸਕੂਲੀ ਵਿਸ਼ਿਆ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ ਵਿਸ਼ਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਸਪਸ਼ਟ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਸੇ ਦੇ ਉਲਟ ਹੀ ਅਪਾਠਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

(2) ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਗਿਆਨ ->
ਇਸ ਅਪਾਠਿਤ ਪੜ੍ਹਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਗਿਆਨ ਦੀ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਇਸ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਸ਼ੇ ਹੀ ਪਾਏ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਗਿਆਨ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹੁੰਦੇ ਹਨ।

(3) ਪਾਠ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਸ਼ਿਆ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ->
ਇਹ ਇਸ ਅਪਾਠਿਤ ਪੜ੍ਹਤ ਸਾਰਿਆ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਸ਼ਿਆ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਇਸੇ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੇ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੀ ਪੜ੍ਹਾਇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

(4) ਲਚਕੀਲਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨਹੀਂ ->
ਇਸੇ ਅਪਾਠਿਤ ਪੜ੍ਹਤ ਵਿੱਚ ਲਚਕੀਲਾ ਪਾਠਕ੍ਰਮ

ਨਵੇਂ ਢੰਗ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਇਸ ਵਿੱਚ ਪਤ ਕਰਕੇ ਪਰਿਖਿਆ ਤੇ ਹੀ ਨਿਰਭਰ ਕੀਤਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਤੋਂ ਹੀ ਪਰਿਖਿਆ ਤੋਂ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਹੁੰਦਾ ਨੂੰ ਵਿਅਕਤੀ ਪ੍ਰਤੀ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਅਧਿਆਪਕ ਦੀ ਜਿੰਮੇਵਾਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

(6) ਸਮਾਂ-ਬੱਧ ਪਾਠਕ੍ਰਮ -> ਇਸ ਆਧੁਨਿਕ ਪੜਾਅ ਵਿੱਚ ਸਮਾਂ-ਬੱਧ ਪੜਾਅ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਵਿੱਚ ਕੋਰਸ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਹੀ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਇਸਨੂੰ ਸਮਾਂ-ਬੱਧ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜੋ ਕੀ ਇੱਕ ਪੀਰੀਅਡ ਦਾ ਕੋਰਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਹੀ ਸਾਰਿਆਂ ਪੀਰੀਅਡਾਂ ਵਿੱਚ ਸਮਾਂ-ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

(7) ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਬਾਰੇ ਗਿਆਨ -> ਇਸ ਆਧੁਨਿਕ ਪੜਾਅ ਵਿੱਚ ਜੋ ਕੀ ਅਸੀਂ ਪੜ੍ਹ ਰਹੇ ਹਾਂ। ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦਾ ਮੁੱਖ ਜੋ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਵਿੱਚ ਜਾਣਦੇ ਪੜਾਉਂਦੇ ਹਾਂ। ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਜੋ ਕੀ ਅਧਿਆਪਕ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ ਹੈ ਉਸ ਬਾਰੇ ਸਾਰਾ ਗਿਆਨ ਹੁੰਦਾ

ਬਾਹਰ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਜੇ ਉਸਨੂੰ ਗਿਆਨ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਹੀ ਅੱਗੇ ਤੁਰ ਪਾ ਸਕੇਗਾ।

(ਙ) ਬਾਲ ਧਾਰਨਾ ->

ਇਸ ਅਧਿਆਇ ਪੜ੍ਹਣ ਵਿੱਚ ਬਾਲ ਧਾਰਨਾ ਨੂੰ ਕਿ ਅਧਿਆਪਕ ਦੇ ਕੀ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਮਕਸਦ ਹੈ। ਗਿਆਨ ਰਚਨਾ ਧਾਰਨਾ, ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨੂੰ ਅਸੀਂ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਸਮਾਂ ਬੰਧ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਾਉਂਦੇ ਸੀ। ਇਸੀ ਸਮੱਸਿਆ ਦੂਰ ਕਰਦੇ ਬਾਲ ਧਾਰਨਾ ਰਹਿੰਦੇ ਪਤਾ ਲੱਗਾ ਇਸ ਗਿਆਨ ਬਾਹਰ ਜਾਂਦੇ ਹੀ ਸੀਮਿਤ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਗਿਆਨਵਾਨ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਨਹੀਂ ਹੈ ਇਹ ਪਰ੍ਹੇ।

ਸਿੱਟਾ

ਅੰਤ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇਸ ਅਧਿਆਇ ਬਾਰੇ ਵਧੀਆ ਪੜ੍ਹਣ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ ਜਿਸ ਪੜ੍ਹਾਈ ਸਾਰਿਆਂ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧ ਰੱਖਦੀ ਹੈ।

UNIT-V

9. write short notes on the following

(A) what is the Concept of Curriculum?

CURRICULUM → ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਸ਼ਬਦ ਲਾਤੀਨੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਸ਼ਬਦ ਤੋਂ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਜਿਸਦਾ ਅਰਥ ਹੈ 'ਦੌੜਨਾ' ਜਾਂ 'ਮੈਦਾਨ'।

"ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜੋ ਅਧਿਆਪਕ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਉੱਪਰ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦਾ ਹੈ।"

"ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਆਪਣੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ ਜੋ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਉਸਨੂੰ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।"

(b) What are the basic elements of Curriculum Construction ?

Ans-> **Basic Elements Of Curriculum Construction** -> ਇਸ

ਇਸ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦੇ ਬਾਰੇ ਇੱਕ ਹੀ ਗੱਲ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ, ਕਿ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨੂੰ ਕਿ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਉਦੇਸ਼ ਤੇ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ ਮਦਦ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਜਿਸਦੇ ਲਈ ਵੱਖ - ਵੱਖ ਪਹਿਲੂ ਵਿਕਸਿਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨੂੰ ਅਧਿਆਪਕ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਆਪਣੇ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਣ ਲਈ ਹੈ ਕਿ ਤਾਂ ਜੋ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਹੀ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦਾ ਹੀ ਨਿਰਮਾਣ ਆਮੀ ਬਿਨਾ ਮਤਲਬ, ਮੁੱਖ ਕਾਰਨ, ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਇਸ ਪਹਿਲਾ ਮੁੱਖ ਜੋ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਸਮਾਂ ਬੱਚਤ ਹੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

(c) Explain the type of Disciplines?

Type -> ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਨ।

ਅਰਸਤੂ ਦੀ ਵੰਡ ਤੇ -> ਇਸਦੇ ਤਿੰਨ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਨ ->

(i) ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਨਾਟਕ ਦੁਆਰੇ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।

(ii) ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਦੱਸਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।

(iii) ਸਿਧਾਂਤਕ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ -> ਇਸ ਵਿੱਚ ਉਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਰਚਨਾ ਕਰਨ ਕਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ->
(i) ਸਮਾਜਿਕ ਇਕਾਈਆਂ
(ii) ਫਾਇਨ ਆਰਟਸ
(iii) ਖੇਡਾਂ

(E) what are the Philosophical determinants of Curriculum?

Ans-> ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਅਸੀ ਪੜ੍ਹਾਂਗੇ ਕਿ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾ ਨੇ ਇਸ
ਤੱਤਾ ਇਸ ਵਿੱਚ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਇਆ ਹੈ।
ਵਿਚਾਰਧਾਰਾ ਦੇ
ਸਮਾਜ ਦੀ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਵਿਚਾਰਧਾਰਾ
ਦੇ ਸਮਾਜ ਦੀ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨੂੰ ਨਿਰਮਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ
ਹੈ। ਇਸ ਵਿੱਚ ਵਿੱਦਿਆ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਦੀ
ਵਿਚਾਰਧਾਰਾ ਨੇ ਕੀ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਅਲੱਗ
ਅਲੱਗ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾ ਨੇ ਵਿੱਦਿਆ ਉੱਪਰ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ।
ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਵਿੱਚ ਬਦਲਿਆ
ਹੈ ਅਲੱਗ-ਅਲੱਗ ਵਿੱਦਿਆ ਹੈ। ਅਲੱਗ-ਅਲੱਗ
ਵਿਚਾਰ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦੇ ਸਮਾਜ ਦੀ ਨਿਰਮਿਤ
ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਨ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾ ਨੇ
ਇਸ ਵਿੱਚ ਆਪਣਾ ਯੋਗਦਾਨ ਦੇ ਕੇ
ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਦੇ ਵਿੱਦਿਆ
ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

7